बी०आई०टी० सिन्दरी
पोस्ट: सिन्दरी इंस्टिट्यूट, सिन्दरी
धनबाद, झारखण्ड, भारत। पिन: ८२८१२३

भारत की आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर बी०आई०टी० सिन्दरी के प्रथम वर्ष के छात्रों हेतु निबन्ध प्रतियोगिता

अत्यन्त हर्ष एवं गर्व का विषय है कि हमारा देश भारत आजादी के पचहत्तर (७५) वर्ष पूरे होने के पावन अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इस ऐतिहासिक पुनीत अवसर को हमारा पूरा देश अत्यन्त गरिमा और हर्षोल्लास के साथ मना रहा है। हमारा झारखण्ड राज्य और हमारा संस्थान भी इस विशेष अवसर को अविस्मरणीय बनाने हेतु कई कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित कर रहा है।

इस श्रृंखला में बी०आई०टी० सिन्दरी के प्रथम वर्ष के छात्रों हेतु एक हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। जैसा कि विदित है कि भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में झारखण्ड के सर्वश्री भगवान बिरसा मुण्डा, बाबा तिलका मांझी, वीर सिद्धो-कान्हू और चाँद-भैरव भाइयों, नीलाम्बर-पीताम्बर, विश्वनाथ शाहदेव, तेलंगा खड़िया, शेख भिखारी, गणपत राय, उमराव सिंह टिकैत, नारायण सिंह, जादोनान्ग, बुधू भगत, जतरा भगत, डॉ० यदुगोपाल मुखर्जी, फेटल सिंह, लाखो बोदरा जैसे अनेकानेक महानायकों और रानी गाइडिन्ल्यू और राजमोहिनी देवी जैसी महानयिकाओं की अत्यन्त ही महत्त्वपूर्ण और सशक्त भूमिका थी। इन महान ओजस्वी स्वतन्त्रता सेनानियों के अप्रतिम त्याग, शौर्य और बलिदान के कारण ही हमारा देश भारत आज़ाद हुआ और आज निरन्तर प्रगति की राह पर अग्रसर है।

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह "दिनकर" ने लिखा था,

"जला अस्थियाँ बारी-बारी
छिटकाई जिनने चिंगारी,
जो चढ़ गये पुण्यवेदी पर लिए बिना गर्दन का मोल।
कलम, आज उनकी जय बोल।"

स्वतन्त्रता समर के इन अमर सेनानियों के लिए ही कहा गया,

"शहीदों के मजारों पर लगेंगे हर बरस मेले,
वतन पे मरने वालों का बाकी यही निशां होगा।"

हमारी आजादी का अमृत महोत्सव आजादी के इन महानायकों को स्मरण करने का एक पुनीत अवसर भी है। इन महानायकों के पुण्य स्मरण को समर्पित इस निबन्ध प्रतियोगिता का विषय है :

बी०आई०टी० सिन्दरी
पोस्ट: सिन्दरी इंस्टिट्यूट, सिन्दरी
धनबाद, झारखण्ड, भारत। पिन: ८२८१२३

भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में झारखण्ड के स्वतन्त्रता सेनानियों और महानायकों की भूमिका।

(The role of freedom fighters and great heroes of Jharkhand in the freedom struggle of India).

निबन्ध प्रतियोगिता के नियम और शर्तें

- निबन्ध हिन्दी या अंग्रेजी में लिखे जा सकते हैं।
- निबन्ध हेतु कोई शब्द सीमा नहीं है, परन्तु कम-से-कम 1000 शब्द अपेक्षित हैं।
- इस प्रतियोगिता में केवल मौलिक लेखों पर ही विचार किया जायेगा।
- प्रतियोगिता में **तथ्य** हेतु 40 अंक, **भाषा** हेतु 30 अंक एवं **प्रस्तुतीकरण** हेतु 30 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार निबन्ध के मूल्यांकन हेतु कुल 100 अंकों का वितरण निर्धारित है।
- निबन्ध यूनिकोड में टंकित (MS Word or PDF फ़ाइल में) या स्वच्छ हस्तलिखित होना चाहिए। हस्तलिखित लेख को Adobe Scan मोबाईल अनुप्रयोग के द्वारा स्कैन कर पीडीऍफ़ फ़ाइल के रूप में भेजा जा सकता है।
- निबन्ध के ऊपर एवं ईमेल में अपना पूरा नाम, रौल नं०, फोन नं०, छात्रावास एवं कमरा संख्या, पूरा पता स्पष्ट रूप से लिखें।
- इस प्रतियोगिता हेतु निबन्ध दिनांक **15 अगस्त, 2022, 10:00 P.M.** तक निम्न ईमेल पर प्रेषित किये जा सकते हैं।

raviteaches@gmail.com

- प्रतियोगिता हेतु निबन्ध निर्धारित समय सीमा तक कार्यालय अवधि में यान्त्रिक अभियन्त्रण कार्यालय में भी जमा किया जा सकता है।
- प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने निबन्धों को स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र के साथ पुरस्कृत किया जायेगा।
- पुरस्कृत निबन्धों को संस्थान की प्रतिनिधि पत्रिका "सर्जना" में लेखक के चित्र एवं संक्षिप्त लेखक परिचय के साथ प्रकाशित किया जायेगा।

जय हिन्द। वन्दे मातरम्।

आज़ादी का अमृत महोत्सव आयोजन समिति,
बी०आई०टी० सिन्दरी।